वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-310 सागवाड़ा,सोमवार, 1 अगस्त, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

आस्था के नाम पर अंधविश्वास की पराकाष्ठा, किशोरी ने की अपनी 7 साल की भतीजी की हत्या

माताजी का भाव आना बताकर किशोरी ने मचाया उत्पात, हमले में पिता व भाई भी घायल

सागवाडा। डूंगरपुर जिले के चितरी थाना क्षेत्र के झिंझवा फला गाँव में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। आस्था की आड़ में अंधविश्वास के चलते एक किशोरी ने माताजी का भाव आना बताकर खूब उत्पात मचाया। इस दौरान किशोरी ने अपनी 7 साल की भतीजी की गर्दन पर तलवार से वारकर उसकी हत्या कर दी। वही किशोरी ने अपने पिता व भाई पर भी हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी किशोरी को डिटेन कर लिया है। डूंगरपुर जिले के चितरी थाने के थानाधिकारी गोविन्द सिंह ने बताया की थानांतर्गत झिंझवा फला गांव में रविवार रात दशा माता व्रत पर्व के दौरान माताजी का भाव आना बताते हुए एक 15 साल की किशोरी ने तलवार लेकर जमकर उत्पात मचाया। वहीं सोई अपनी 7 वर्षीय भतीजी पर तलवार से ताबड़तोड़ वार करते हुए उसकी गर्दन धड़ से अलग कर दी। थानाधिकारी गोविन्द सिंह ने बताया की चीतरी झिंझवा फला में शंकर पुत्र रामजी डेण्डोर के घर पर हरियाली अमावस्या के दिन से दशामाता की प्रतिमा स्थापना कर रोजाना सुबह शाम पूजा अर्चना चल रही है। जिसके तहत रविवार रात को भी रोज की तरह दशा माता की पूजा आरती का कार्यक्रम रात 8 बजे से शुरू हुआ और देर रात तक चलता रहा। इसी दौरान शंकर की 15 साल की पुत्री हाथों में नंगी तलवार लेकर माता का भार आना बताते हुए लोगो से कहने लगी कि मैं सबको मार डालूंगी। यह कहते हुए तलवार लेकर घर आंगन में दौडने लगी। शंकर एव उसका बड़ा बेटा सुरेश ने किशोरी को पकडने की कोशिश की लेकिन इस दौरान किशोरी ने पाने पिता व भाई पर तलवार से वार किया। इससे दोनों को हल्की चोटें आई।

उसके बाद परिवार के लोग इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान उसी घर में सुरेश की। साल की पुत्री वर्षा घर के अंदर सोई हुई थी। किशोरी उसके पास गई और उसे घसीटते हुए मकान के दूसरे हिस्से में ले जाकर तलवार से ताबड़तोड़ वार कर गर्दन धड़ से अलग कर दी। इधर जैसे-तैसे परिवार के लोगो ने घेरा डालकर किशोरी को पकड़ा। घटना की सुचना पर चीतरी थानाधिकारी गोविन्दसिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इधर पुलिस ने आरोपी किशोरी को डिटेन कर लिया है। बांसवाडा से एसएफएल की टीम को बुलाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नागा बाबा बनकर ठगते 3 आरोपी गिरफ्तार

मंदिर का पता पूछकर 10 हजार लूटे थे, कार भी जब्त की

डूंगरपुर । डूंगरपुर में मंदिर का पता पूछकर लूटपाट करने वाले नागा बाबा गिरोह के तीन आरोपियों को चितरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक कार भी जब्त की है, जिससे ये वारदात को अंजाम देते थे। चितरी थानाधिकारी गोविंदसिंह ने बताया की 21 जुलाई को कावा पुत्र धनजी खांट मीणा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि मकान बनाने के ठेके का काम करता है। चिखली गांव में वह काम पर गया था। काम पूरा होने के बाद स्कूटी लेकर तंबोलिया गांव जा रहा था। रास्ते में जसेला के पास टॉयलेट करने के लिए रुका। उसी दरम्यान एक कार लेकर कुछ लोग आए और उसके पास रुके। कार में आगे की तरफ एक नागा बाबा बैठा था, जबकि पीछे दूसरे दो बाबा थे। उन्होंने आसपास किसी महादेव मंदिर के बारे में पूछा और कहा की उनके पास 25 से 30 कारें हैं। इस पर उसने गोरेश्वर महादेव मंदिर के बारे में बताया। बाबा ने आशीर्वाद देते हुए उसके पेंट की जेब में हाथ डालकर 10 हजार रुपए निकाल लिए। इसके बाद बाबा उसे धक्का देकर कार से भाग गए। घटना के बाद वह अपने घर गया और बेटे को घटना के बारे में बताया। वहीं चितरी थाना पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। थानाधिकारी गोविंद सिंह ने बताया कि मामले की जांच करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें आरोपियों के गुजरात की ओर भागने का पता लगा। पुलिस ने कार के नम्बर का पता लगाया, जिस पर कार मालिक भरत भाई रावल निवासी हलोल जिला पंचमहल गुजरात की होना पता लगा। पुलिस भरत भाई के घर पहुंची तो बताया कि कार पप्पू पुत्र जोराभाई मदारी निवासी मदारीवास हलोल को किराए पर दी है। पप्पू मदारी के बारे में पता लगाया तो उसके बाहर जाने का पता लगा। इस पर पुलिस ने पप्पू की तलाश शुरू की।

थानाधिकारी ने बताया की आरोपी पप्पू मदारी, रोशननाथ पुत्र गेननाथ मदारी निवासी कोटम्बा, देवा पुत्र कमलनाथ मदारी निवासी बाला सिंदूर महीसागर गुजरात को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से लूट में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है।

75 फीसदी से ऊपर अंक लाने वाले बच्चों का होगा सम्मान, मिशन सिविल सर्विस योजना की देंगे

सागवाड़ा। विद्यानगर पंचवटी में सोमवार को हुई प्रेस वार्ता में 12वीं बोर्ड कक्षा में अव्वल रहे विद्यार्थियों को आगामी 5 अगस्त को सम्मानित करने और संस्थान की ओर से शुरू होने वाले मिशन सिविल सर्विस योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। संस्थान के सेक्रेटरी शिवलाल पाटीदार ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 10 बजे दिल्ली की आईएएस एकेडमी से जुड़े विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने बताया कि संस्थान में समाज में जो लोग सेवानिवृत्त हैं वे समर्पित भाव से सेवाएं देते हैं। संस्थान के पदाधिकारियों व सदस्यों के बीच नवाचार से संबंधित जो चर्चा होती है, उसे व्यावहारिक होने पर लागू करते हैं। वागड़ की भूमि पर खेल के क्षेत्रों में युवाओं को आगे लाया जाए, इस पर विचार चल रहा है। पाटीदार ने बताया कि समाज के विभिन्न संगठनों से चर्चा के बाद दिल्ली व अन्य स्थानों पर कोचिंग इंस्टीट्यूट्स से संपर्क किया। इसके बाद समाज के विभिन्न संगठनों की बैठक में मिशन सिविल सर्विस को इसी साल से शुरू करने का निर्णय लिया। इससे पहले 5 अगस्त को क्षेत्र के सभी 75 फीसदी से ऊपर अंक लाने वाले बच्चों को बुलाने व सम्मानित कर इस मिशन सिविल सर्विसेज के बारे में जानकारी देने का निर्णय लिया। मिशन को लेकर संस्थान में बेसिक सभी इंफ्रास्ट्रक सुविधाएं मौजूद हैं। यहां अच्छा वातावरण व अवसर देने की कोशिश की जाएगी। 5 अगस्त को इसके लिए बड़ी बैठक रखी गई है। वागड़ में भी आईएएस, आईएएस की तैयारी करने की एक मुहिम शुरू की जा रही है। मिशन में उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयारी के साथ ही, एक ऐसा नागरिक तैयार करना है जो परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित रहे। मिशन सिविल सर्विस का लाभ वागड़ के सब समाज ले सकेंगे। इस दौरान चेयरमैन डायालाल पाटीदार, मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल पाटीदार, डायालाल पाड़वा, प्रभुलाल पाटीदार, हिरण्य पाटीदार, विनोद पाटीदार, महिपाल पाटीदार, मोहन पाटीदार समेत ट्रस्ट मंडल के पदाधिकारी मौजूद थे।

ग्राम विकास अधिकारियों ने क्षमा दिवस मनाया, सौपा ज्ञापन

सागवाड़ा। ग्राम विकास अधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को ज्ञापन देकर शासन एवं सरकार का ध्यान आकर्षित करने का लगातर प्रयास किया है। लेकिन शासन तथा सरकार इसकी उपेक्षा एवं वादा खिलाफी कर रहे हैं। जिससे त्रस्त ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग ने 4 अगस्त 2022 से समस्त कार्यों में पूर्ण असहयोग का निर्णय किया हैं। जिसकी जानकारी देने के लिए ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग ने उपप्रधान नरेश पाटीदार को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि पंचायतों के समस्त कार्यों में पूर्ण असहयोग के कारण ग्रामीण आमजन, पंचायती राज संस्थाओं से जुड़े समस्त जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों को होने वाले कष्ट के लिए प्रदेश के समस्त ग्राम विकास अधिकारियों ने सोमवार को क्षमा दिवस मनाया। ग्राम विकास अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक माह से ज्यादा समयावधि के आंदोलन व सूचना के बाद भी मांगों का सकारात्मक हल नहीं कर हमें 4 अगस्त से संपूर्ण कार्य बहिष्कार को विवश किया गया। हमारी मुख्यमंत्री तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग मंत्री से पुन: पुरजोर अपील है कि हमारे साथ किए गए लिखित समझोते की पालना करवाकर हमें न्याय प्रदान करें। ज्ञापन में बताया कि प्रदेश ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग ग्रामीण प्रशासन का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अंग है। हमने अपने संवर्ग को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं के श्रेष्ठ क्रियान्वयन, आमजन के आधारभूत विकास एवं व्यक्तिगत कार्यों में सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने तथा कोविड -19 जैसी वैश्विक महामारी में भी सर्वस्व समर्पित कर आमजन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सदैव प्रोत्साहित किया है । हमारी प्राथमिकता राष्ट्र एवं राज्य हित के साथ ही आमजन को पंचायती राज संस्थाओं से संबंधित सेवाओं को बेहतरीन स्वरूप में प्रदान करना रहा हैं । जिसका साक्ष्य विभाग में उपलब्ध प्रगति रिपोर्ट्स है , लेकिन शासन एवं सरकार हमारे साथ समय - समय पर किए गए समझौते तथा आश्वासनों की क्रियान्विति नही कर हमारे हितों की लगातार अनदेखी कर रहे हैं । हमारे मांग पत्र पर मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्च स्तरीय वार्ता में 1 अक्टूबर 2021 को आश्वासन दिया गया था। इसके पश्चात 11 दिसंबर 2021 को मंत्री से निर्धारित समय अवधि में सकारात्मक कार्यवाही का लिखित समझौता हुआ था। जिसके परिणाम स्वरूप हमारे द्वारा प्रशासन गांव के संग अभियान -2021 में सरकार के निर्धारित लक्ष्यों से अधिक प्रगति कर स्वयं को प्रमाणित किया गया लेकिन उसके उपरांत भी निर्धारित समयावधि के समझौतों की पालना में हमारे संवर्ग की वाजिब मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसके उलट इस अवधि में कुछ निर्णय हमारे संवर्ग के हितों के विरुद्ध कर दिए गए।

इस मौके वीरेंद्र जैन ब्लॉक अध्यक्ष, प्रदीप पंचोरी प्रदेश प्रतिनिधि, विनय पाटीदार ब्लॉक मंत्री, विनोद पाटीदार,भावेश पाटीदार मौजूद थे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल का कठोर कारावास

50 हजार रुपए का जुर्माना, डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला

डूंगरपुर। जिले की पोक्सो कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने आरोपी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है वही आरोपी को 50 हजार रुपए के जुर्माने से दण्डित भी किया है। 19 अक्टूबर 2020 को दोवडा थाने में मामला दर्ज हुआ था। डूंगरपुर जिले की पोक्सो कोर्ट के विशिष्ठ लोक अभियोजक योगेश जोशी ने बताया की मामला डूंगरपुर जिले के दोवडा थाना क्षेत्र का था। दोवडा थाना क्षेत्र निवासी पीडिता की माँ ने दोवडा थाने में 19 अक्टूबर 2020 को रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में पीडिता की माँ ने बताया था की 10 अक्टूबर 2020 को उसकी नाबालिग बेटी शाम को गाँव के पास चक्की पर गेंहू पिसवाने गई थी। इस दौरान नाबालिग गेंहू के कट्टे को दूकान पर छोड़कर वापस अपने घर लौट रही थी। रास्ते में पाल मांडव निवासी रमेश पिता सवा उर्फ़ सावर उसकी नाबालिग बेटी को मिला और उसे जबरदस्ती पकड़कर पास की झाड़ियो में ले गया और उसके साथ आरोपी रमेश ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वही इसके बाद आरोपी रमेश मौके से फरार हो गया। नाबालिग जैसे-तैसे अपने घर पहुंची और अपनी माँ व परिजनों को आपबीती सुनाई। जिस पर नाबालिग व उसकी माँ दोवडा थाने पहुंची और थाने में रमेश के खिलाफ रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी रमेश को गिरफ्तार किया। वही मामले में पुलिस ने अनुसन्धान पूर्ण करते हुए डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट में चालान पेश किया।

इसी मामले में डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट ने आज अंतिम सुनवाई करते हुए आरोपी रमेश को दोषी करार दिया। कोर्ट ने दोषी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा के साथ 50 हजार रुपए के जुर्माने से भी दण्डित किया है।

राजस्थान में दुष्कर्म प्रकरणों में जांच का समय घट कर 57 दिन रह गया: पुलिस

जयपुर। राजस्थान में महिला दुष्कर्म प्रकरणों की जांच का समय घटकर 57 दिन रह गया है। पुलिस ने सोमवार को यह दावा किया। पुलिस के अनुसार महिला अत्याचार से संबंधित प्रकरणों की जांच समय पर पूरा करने पर विशेष जोर दिए जाने के कारण जून 2022 तक दुष्कर्म प्रकरणों के अन्वेषण में लगने वाला औसत समय घटकर 57 दिन रह गया है। यहां जारी बयान में कहा गया है, राजस्थान पुलिस के सीसीटीएनएस बोर्ड पर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार 2017 में दुष्कर्म प्रकरणों के अन्वेषण पर औसतन 435 दिन लग रहे थे। वह समय 2018 में घटकर 211 दिन, 2019 में 140 दिन, 2020 में 117 दिन और 2021 में घटकर 86 दिन रह गया था।अब इस अन्वेषण समय को और कम करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

सागवाडा। वागड़ के तीर्थ गौरेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास के पहले सोमवार को आरती में उमड़े श्रद्धालु।

बजट घोषणाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने हेतु कार्यशाला

गवर्नेन्स के सुधार में सिविल सोसाइटी की महत्वपूर्ण भूमिका: गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि समाज के वंचित तबके के लिए काम करने तथा उनकी जमीनी जरूरतों को समझने में सिविल सोसाइटी व स्वयंसेवी संगठनों की अहम भूमिका है। सरकार द्वारा लोक कल्याण के लिए बनाई योजनाओं को कारगर तथा उपयोगी बनाने में इन संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। सिविल सोसाइटी सरकार को आत्मावलोकन करने में भी सहायता करती हैं तथा सरकार की योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा कर उन्हें और बेहतर बनाने में सहयोग करती हैं। सिविल सोसाइटी के सुझावों के बाद ही देश में आरटीआई, आरटीई, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। लोकतंत्र में सिविल सोसाइटी का अपना महत्व है, इसको नकारने वाले लोगों का निश्चित रूप से लोकतंत्र में विश्वास नहीं होता है। गहलोत सोमवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में 'बजट का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए आयोजित कार्यशाला' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिविल सोसाइटी द्वारा राज्य बजट की प्रशंसा करने तथा बजट पर विश्वास करने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यशाला की रिपोर्ट पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में चर्चा होगी तथा सुझावों का क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद की बड़ी महत्वता होती है। कार्य में सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है, इसलिए सिविल सोसाइटी के सदस्यों के सुझावों का हमारी सरकार हमेशा स्वागत करती है, ताकि कमियों को दूर कर योजनाओं को जनता के लिए अधिक लाभकारी बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके बहुमूल्य सुझावों की जरूरत हमेशा हमें रहती है जिससे सरकार अपने लक्ष्य को अर्जित करने में सफल हो सके। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी शांति एवं अहिंसा निदेशालय को एक विभाग के रूप में स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महात्मा गांधी के सिद्धांत, आदर्श एवं दर्शन की पहले से ज्यादा आवश्यकता है। गांधीजी के जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस विभाग की स्थापना की जाएगी। गहलोत ने कहा कि आज देश एवं प्रदेश में काफी हिंसात्मक घटनाएं देखी जा रही हैं। इन घटनाओं को रोकने तथा शांति, सद्भाव एवं भाईचारा कायम करने के लिए गांधीजी के सिद्धांतों की आवश्यकता है।

कुछ वर्षों पहले प्रदेश में हुई लिंचिंग की घटनाओं पर प्रधानमंत्री ने निंदा करते हुए कहा था कि ?से लोग असामाजिक तत्व होते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में देश में व्याप्त तनाव के माहौल को देखते हुए सद्भाव एवं भाईचारे का संदेश देने की जरूरत है।

थाना खुलने पुलिस मुस्तैदी से कर सकेगी उद्यमियों की समस्याओं का हल: शांति धारीवाल

जयपुर। कोटा शहर पुलिस के नवसृजित रानपुर थाने का उद्घाटन देवनारायण नगर योजना में निर्मित पुलिस चौकी के भवन में सोमवार को स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने विधि विधानपूर्वक फीता काटकर किया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त दीपक नंदी, पुलिस महानिरीक्षक प्रसन्न कुमार खमेसरा सहित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधी गण उपस्थित रहे। समारोह को सम्बोधित करते हुए स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि रानपुर औद्योगिक क्षेत्र में लम्बे समय से थाना खोलने की मांग थी जिसे राज्य सरकार ने बजट घोषणा में पूरी कर उद्यमियों के लिए तौहफा दिया है। उन्होंने कहा कि कोटा की पहचान औद्योगिक नगरी की रही है यहां थाना खुलने से रानपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों को सुरक्षा व्यवस्था के संबन्ध में बाहर नहीं जाना पडेगा।

सरपंच संघ ने अपनी मांगो को लेकर कलेक्ट्रेट पर धरना देकर किया प्रदर्शन

सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप, मांगे पुरी नहीं होने पर 5 अगस्त को जयपुर में डालेंगे पड़ाव

डूंगरपुर। जिले के सरपंच संघ राज्य सरकार के खिलाफ आन्दोलन की राह पर निकल पड़े है। डूंगरपुर जिला सरपंच संघ ने अपनी लंबित मांगो व ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री के बयान के विरोध में कलेक्ट्रेट के बाहर धरना दिया। वही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए वादाखिलाफी का आरोप लगाया है । इधर इस मौके पर सरपंच संघ ने अपनी मांगो को लेकर कलेक्टर को सीएम के नाम ज्ञापन दिया है। मांगे पुरी नहीं होने पर 5 अगस्त को जयपुर में पड़ाव डालने की चेतावनी दी है। डूंगरपुर जिला सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष लीलाराम वरहात के नेतृत्व में जिलेभर के सरपंच आज डूंगरपुर कलेक्ट्रेट पर एकत्रित हुए। इस दौरान सरपंच संघ के बेनर तले जिले के सरपंचो ने कलेक्ट्रेट के बाहर राज्य सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में धरना दिया वही प्रदर्शन भी किया। इस मौके पर डूंगरपुर जिला सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष लीलाराम वरहात ने बताया की राज्य सरकार व पंचायतीराज विभाग द्वारा 21 मार्च 2022 को सरपंच संघ से उनकी मांगो को लेकर लिखित समझोता किया था।

लेकिन चार माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी राज्य सरकार व विभाग ने उनकी मांगो को लेकर कोई आदेश जारी नहीं किया है। जिसको लेकर प्रदेशभर के सरपंचो में सरकार के खिलाफ आक्रोश है। इधर इस मौके पर डूंगरपुर जिला सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष लीलाराम वरहात ने प्रदेश के ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री द्वारा सरपंचो पर भ्रष्टाचार के लगाये आरोपों पर भी विरोध जताया।

सरपंच संघ ने सीएम से मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इधर धरना प्रदर्शन के बाद सरपंच संघ ने डूंगरपुर जिला कलेक्टर को सीएम के नाम ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में सरपंच संघ ने लिखित समझोते के तहत जिन मांगो पर सहमती बनी थी उन मांगो को पूरा करने की मांग की है।

वही मांगे पूरी नहीं होने पर 5 अगस्त को जयपुर में पड़ाव डालने की चेतावनी दी है।